بسم الله الرحمن الرحيم

ان الدين عند الله الاسلام

हज़रत मुहीउद्दीन अल ख़लीफ़तुल्लाह मुनीर अहमद अज़ीम (अ स)

27 April 2018 (10 Shabaan 1439 AH)

अनुवादक : फातिमा जास्मिन सलीम
EMAIL:fjasmine14@gmail.com

जुम्मा खुतुबा

विषय:-

"अल्लाह और उसके उपदेश को धन्यवाद देते हुए "(भाग ३)।"

अपने सभी चेलों सहित सभी नए चेलों, (और दुनिया भर के सभी मुसलमानों) को शांति का अभिवादन करने के बाद हज़रत ख़लीफ़तुल्लाह (अ त ब अ) ने तशहुद ,तौज, सूरह अल फातिहा पढ़ा और फिर उन्होंने अपना उपदेश दिया : **"अल्लाह और उसके उपदेश को धन्यवाद देते हुए "(भाग ३)।**

अल्हम्दुलिल्लाह, सुम्मा अल्हम्दुलिल्लाह, अल्लाह (स व त) ने मुझे इल्म (ज्ञान) दिया है और दिव्य अभिव्यक्ति के महिलाओं और पुरुषों पर मेरे धर्मोपदेश के तीसरे भाग को जारी रखने का अवसर दिया। यह वास्तव में, अल्लाह का एक महान आशीर्वाद है, जो मुझे उसके सरासर प्यार और आशीर्वाद के माध्यम से राह दिखता है, अच्छे जीवन के मुख्य सार को हमारे जमात के सभी सदस्यों को और पूरे मानव जाति को प्रदान करता है और कैसे, इसे अपने आध्यात्मिक जीवन में भी ढालना है, ताकि, लौकिक और आध्यात्मिक दोनों सामंजस्य से शादी में रहें और टकराव न करें। वास्तव में, सभी धन्यवाद और आभार अल्लाह को ही है, जो मुझे पृथ्वी पर अपनी भलाई के लिए आपको सर्वोत्तम सलाह देने के लिए सिखाता है और मेरा मार्गदर्शन करता है और जो आप के लिए जीवन शैली में भी परम सुख का मार्ग खोलेगा। दरअसल, अल्लाह के लिए मेरा प्यार सीमा से परे है।

इसलिए मेरे प्रिय शिष्यों, और दुनिया भर के सभी मुसलमानों के साथ-साथ मानव जाति के बाकी लोगों को भी, आज के लिए मेरे धर्मोपदेश के केंद्र में आ रहा हूँ, यह एक शोकपूर्ण घटना होगी, अगर वर्तमान समाज में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार और उत्पीड़न मौजूद रहेगा। यह इस्लाम के चेहरे से धब्बों को दूर करने की समय है। किसी को इसे फिर से काला करने न दें! यदि पुरुष की उच्च-पुरुषता के परिणामस्वरूप, महिलाओं ने अपनी मुक्ति आंदोलन की शुरुआत की, जैसे कि, इस्लामिक दायरे से ईश्वर भक्ति और शिष्टाचार अस्पष्ट हो जाएंगे, इस खुले विद्रोह की ज़िम्मेदारी अकेले पति की होगी। इस गंभीर चूक श्रेणी के अंतर्गत आने वाले सभी पुरुष इसके लिए ईश्वर के प्रति जवाबदेह होंगे। महिलाओं के प्रति दुर्भावनापूर्ण दबाव के उदाहरण विविध हैं और इतने सारे, कि एक पूर्ण मात्रा ऐसे खातों के साथ संकलित की जा सकती है।

जमात उल साहिह अल इस्लाम एक समुदाय है, जिसे ईश्वर सर्वशक्तिमान द्वारा साधिकार किया गया है, दुनिया को जीने का एक तरीका दिखाने के लिए - जीने का इस्लामी तरीका - इंसान के सभी विरासतों में सबसे कीमती विरासत। हम शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय प्रगति कर सकते हैं; हम इस्लामी शिक्षाओं के दर्शन में मूल की व्याख्या सुंदर भाषण द्वारा दे सकते हैं; लेकिन, दुनिया हमें कभी कान देकर नहीं सुनेगी, जब तक कि हमारे शब्द ठोस कार्यों से मेल नहीं खाते हैं। याद रखें, ऐसा कुछ भी नहीं है कि हमारे प्यारे नबी मुहम्मद (स अ व स) हैं और हमेशा रहेंगे, जो एक चलते हुए कुरान के रूप में जाने जाते है। ऐसा क्यों? क्योंकि, ईश्वरीय उपदेशों का उन्होंने जो प्रचार किया, वे उनके दैनिक जीवन में परिलक्षित होते थे। वह एक उत्कृष्टता के मिसाल थे। वह पृथ्वी पर कुरान के एक अवतार थे। इसलिए,

हम जिस इस्लाम का प्रचार करते हैं, हमें हमेशा उसके अनुसरण में रहना चाहिए, उसी इस्लाम का प्रचार, जिसे वह (स अ व स) ने उपदेश दिया और उसके अनुसार जीया भी करते थे।

मेरे मूल विषय पर वापस लौटने के लिए, इस्लामी समाज में महिलाओं की स्थिति बहुत नाजुक समस्या है। यह दृढ़ विश्वास है, कि एक व्यक्ति जो बुनियादी मानव अधिकारों की उपेक्षा करता है और जो स्वभाव से करुणा और दया में अधूरा है, वह सच्चे मुसलमानों की श्रेणी में शामिल होने के लायक नहीं है।

यदि, ऐसा व्यक्ति सोचता है, कि निजी जीवन में उसकी शातिरता और क्रूरता के बावजूद और रक्षाहीन महिलाओं पर उनका कठोर और हिंसक उपचार, उसे एक सच्चे मुसलमान की तरह स्वर्ग में प्रवेश करने देंगें, तो फिर ये अफ़सोस की बात है की वे गलत है। वह कभी भी स्वर्ग में प्रवेश नहीं कर सकते - प्रार्थना करके या प्रार्थना किये बगैर। वह खुद को भ्रम में डाल रहे है, कि वह स्वर्ग में प्रवेश करेंगें और यहां तक कि वह ईश्वर से निकटता और ईश्वर भक्ति का डींग हाकेंगें, लेकिन उसके बुरे कर्म से उसकी सभी प्राथनाएँ जो भी उसने किये है, उठा लिए जायेंगें, और अल्लाह उसकी चिरस्थायी परमानन्द की पहुंच से, हमेशा के लिए बाधा डाल देगा (अर्थात् स्वर्ग में)।

वास्तव में, स्वर्ग पूरी तरह से पवित्र पैगंबर मुहम्मद (स अ व स) के सच्चे सेवकों के लिए आरक्षित है। हमारे समाज में छोटे साधनों वाले परिवार, जिनमें से अधिकांश निर्धनता और गरीबी अपने आपको गिरा कर पीसने में लगे है। बच्चे पैदा हो रहे हैं, लेकिन वहां उनके लिए जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं को खरीदने के लिए पर्याप्त धन नहीं है। गरीब औरतें और बच्चे मच्छरों के चारों ओर मँडराने के कारण रातों में सो नहीं सकते है। इस सब के शीर्ष पर, अक्सर होने वाली महामारियां हैं, जो एक गरीब वर्ग पर भारी टोल लेती हैं।

भले ही पति दयालु हों, गरीब महिलाएं मुख्य शिकार होती हैं और कठिनाइयों और गरीबी की चक्की उन्हें धीरे-धीरे लेकिन लगातार पीसती है। दिन भर गृह व्यवस्था के कर्तव्यों, बीमार बच्चों की देखभाल में बेचैन रातें और उनके लिए हर रात जागती रहती हैं, एक पल के आराम के बिना, कुछ कठिन कार्य हैं, जो एक महिला को जीवन भर एकल प्रदर्शन करना पड़ता है। किसी के भी दर्जे द्वारा निर्णय लिया गया हो, यह एक कठिन जीवन है और एक जो इसके पीछे कठिनाई का एक अमिट छाप छोड़ देता है। आशा है, अल्लाह समाज में हमें इस मनुहसियत को समाप्त करने में सक्षम करे।

तो क्या यह अमानवीय नहीं है, कि निजी जीवन का तानाशाह बनकर मनुष्य के चोट का अपमान करे और छड़ी का उपयोग करें जहां कृतज्ञता और मिलनसारता की मूल ज़रूरते हों? कुछ पति ऐसे भी हैं, जो अपनी पत्नियों पर अनैतिक कार्य करने का आरोप लगाते हैं, लेकिन उस ही समय में सामान्य वैवाहिक संबंध बनाए रखते है और नियमित अंतराल पर बच्चों का उत्पादन करते है। ऐसे दुष्ट जिनका जीवन में एकमात्र उद्देश्य अपनी पत्नियों को पीड़ा देना है और पृथ्वी पर एक नरक बनाना कहते हुए की वह मनुष्य के समान व्यवहार करने के लायक नहीं है। वे इस्लाम के किसी भी रिश्ते का दावा नहीं कर सकते; और मैं तुम सबको चेतावनी देता हूं, वे दुष्ट लोग जमात में पैदा या एकीकृत होते हैं, तो कभी भी

जमात उल साहिह अल इस्लाम से किसी भी रिश्ते का दावा नहीं कर सकते हैं। ऐसे लोगों के लिए, उनका जमात उल साहिह अल इस्लाम में उपस्थिति रहने का कोई फायदा नहीं है। यह शून्य है। याद रखें, जमात उल साहिह अल इस्लाम हमारे आधुनिक समय के इस्लाम का पुनरुद्धार है। सही मायने में, जब आप मुसलमान बनेंगें, सहीह अल इस्लाम, तभी जब आप इस्लामी शिक्षाओं का अच्छी आस्था में पालन करते हो और हमेशा दृढ़ता और देखभाल के साथ, सावधानी बरतते हुए ताकि आप भटक न जाए।

मैं ऐसे व्यक्तियों का आह्वान करता हूं जैसे कि मैंने खुद के तत्काल सुधार का उल्लेख किया हो। मैंने दुनिया भर में हमारे जमात को चेतावनी दी है, कि वे ऐसे काले दिल वाले न बनें, ऐसे लोग जिनके पास अपनी पत्नी और सामान्य रूप से महिलाओं के लिए कोई सम्मान और लिहाज़ नहीं है। याद रखें! जमात उल साहिह अल इस्लाम सच्चे इस्लाम का प्रतिनिधित्व करता है। यदि, इस प्रक्रिया में, यह उच्चतम पुण्य के नमूने का उत्पादन नहीं करता है, अंतिम जीत कभी भी हमारी नहीं होगी। जमात उल साहिह अल इस्लाम के धन्य कारवां के साथ रोल करने के लिए हमारे पास न तो साहस है और न ही बुराई को अवतार देने की क्षमता है।

आशा है अल्लाह (स व त) हम सभी को सच्चे मार्ग पर चलने के लिए मार्गदर्शन करें और हमें वास्तविक में सहीह अल इस्लाम बनने में सक्षम करें।

इंशा-अल्लाह, आमीन।